# टीबी के उपचार एवं उस से मुक्ति की दवायें

ये दवाये टीबी के उपचार में आम तौर पर इस्तेमाल की जाती है। कुछ किस्सों में आप को ऐसी दवायें दी जा सकती है जो यहां निदर्शित नहीं की गईं। ज़रुरत पड़ने पर पब्लिक हेल्थ नर्स उन दवाओं के बारे में आप को जानकारी देगी। अपनी दवाओं तथा उन के सहगामी दुष्प्रभाव के बारे में पूरी जानकारी एवं सूचनाओं के लिये अपने डॉक्टर या केमिस्ट से बात करें।

| | दवायें | कितनी बार ली | मात्रा |
|---|---|---|---|
| | **आइसोनायज़ीड (आइसोटेमाइन, आइएनएच – INH)**<br>• यह दवा टीबी की रोकथाम व उस के उपचारमें इस्तेमाल की जाती है।<br>• यह दवा आप के यकृत (लीवर) पर असर कर सकती है। | | |
| | **रिफ़ेम्पीन (रोफेक्ट, रिफेडीन, आरएमपी – RMP)**<br>• यह दवा टीबी की रोकथाम व उस के उपचारमें इस्तेमाल की जाती है।<br>• ये आँसू, पसीना तथा पेशाब का रंग नारंगी कर देगी। यदि आप कोन्टेक्ट लेन्स पहनते हैं तो उन पर दाग़ लग सकते हैं।<br>• यह गर्भ-निरोधक गोलीओं का असर कम कर देती है। गर्भ-निरोधक टोपी का उपयोग करना चाहिये। | | |
| | **पायराज़ीनामाईड (टेब्राज़ीड, पीज़ेड्ए – PZA)**<br>• यह दवा टीबी के उपचारमें इस्तेमाल की जाती है।<br>• इस से आप को जोड़ों में दर्द हो सकता है। | | |
| | **इथेम्ब्युटल ( इटीबी, इएमबी – ETIBI, EMB)**<br>• यह दवा टीबी के उपचारमें इस्तेमाल की जाती है।<br>• इस का असर आप की आँखों पर हो सकता है। यदि आप यह दवा लंबे अरसे से ले रहे हों यदि वह ज़्यादा क्षमता वाली हो तो आप को डॉक्टर से अपनी आँखों की जाँच करवानी चाहिये। | | |
| | **वीटामिन** | | |
| 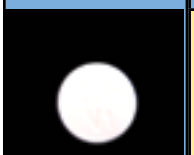 | **पायरीडोक्सिन (विटामिन B6)**<br>• आइसोनायज़ीड दवा से तंत्रिकाओं को होने वाले नुकसान से बचाने के लिये इस दवा का प्रयोग किया जाता है। | | |

टीप्पणी: _____

_____

_____

# टीबी के उपचार एवं रोग से मुक्ति की दवायें..जारी

**मुझे टीबी की दवा क्यों लेनी चाहिये?**

टीबी रोग तभी ठीक हो सकता है अगर आप अपनी टीबी की दवा जैसे कहा जाय ठीक वैसे लें। आप को अपनी टीबी की दवा ६ महिनों से ले कर २ साल तक लेनी पड़ सकती है। यह महत्त्वपुर्ण है कि आप अपनी टीबी की सारी दवायें जब तक आप का टीबी का डॉक्टर या नर्स दवा बंद करने के लिये न कहे तब तक लेते रहें। यदि आप अपने आप को काफी अच्छा महसूस कर रहे हों तब भी आप को टीबी की दवा लेना चालू रखना है। अगर आप अपनी टीबी की दवा बहुत जल्दी बंद कर देंगे तो आप स्वस्थ नहीं हो पायेंगे। और टीबी के जीवाणु काफी ताक़तवर और दवा के प्रतिरोधक बन सकते हैं।

**मैं अपनी टीबी की दवा किस तरह लूं?**

- हर रोज़ अपनी दवा लेना याद रखने और ग़लती होने से बचने के लिये दवाओं की डिबिया (जिसे पिल ओर्गेनाइज़र या डोज़ेट कहते हैं) को उपयोग में लायें। "स्वास्थ्य-संबंधित विस्तृत सेवा कर्मचारी (हेल्थ आउटरीच वर्कर) (HOW)" या पब्लिक हेल्थ नर्स (PHN) आप को पिल ओर्गेनाइज़र देगी और उसे ठीक से भरने में मदद करेगी।
- प्रवाही दवा को सिरिंज , दवा के खास चम्मच या दवा के खास कप से नापें। रसोई-घर के आम चम्मच का उपयोग न करें क्यों कि वे सही नहीं होते।
- जब तक आप के डॉक्टर या नर्स ने कुछ और सूचना न दी हों तब तक टीबी की सब दवायें एक साथ लें।
- टीबी की दवायें रोज़ एक ही समय पर लें ताकि आप लेना भूल न जायें। जिस दिन आप अपने HOW से मिलने जायें, अपनी दवायें मुलाक़ात के दौरान ले लें।
- टीबी की दवा लेने से अगर आप को कोई लक्षण दिखाई दें या तबियत ठीक न लगे तो अपने टीबी डॉक्टर, PHN या HOW से बतायें।
- हर रोज़ अपनी दवा लेना याद रखने में मदद के लिये आप:
  - अपने परिवार के सदस्य से या मित्र से आप को वह याद दिलाने के लिये कह सकते हैं
  - केलैन्डर पर जिस दिनों आप ने दवा ली हो उन्हें नोट कर लें
  - जब आप को दवा लेनी है उस समय के लिये अपनी घड़ी में या सेल फोन में एलार्म लगा दें
  - कागज़ की परची में लिख कर बाथरुम के शीशे पर लगा दें
- अपनी दवायें किसी के साथ बाँटें नहीं।
- लेबल पर लिखे हुए समाप्तिकाल के बाद उस दवा को उपयोग में न लायें।
- टीबी की दवा लेने के दौरान शराब मत पीएं क्यों कि शराब आप के यकृत (लिवर) को हानि पहुँचा सकती है।
- अपनी दवा खतम होने के २ से ३ सप्ताह पहले अपने टीबी डॉक्टर, PHN या HOW से बता दें ताकि आप की दवा की आपूर्ति हो सके।
- अपनी हर मुलाकातों में आप की HOW हमेशा आप की दवा की डिबिया देखेगी और आप की दवा की बोतलें भी देखेगी।

**मैं टीबी की दवा को कैसे रखूं?**

- सभी दवाओं को बच्चों की पहूँच से बाहर रखें।
- अगर उपर का लेबल कुछ और नहीं कहता, टीबी की दवाओं को सूखी जगह में और कमरे के तापमान में रखें।
- जब सफर करें तब अपनी दवा पर्स में या साथ में ले जाने वाले सामान में रखें।

# टीबी के उपचार एवं रोग से मुक्ति की दवायें..जारी

**अगर मैं अपनी दवा लेना भूल जाउं तो?**

यदि आप अपनी दवा का डोज़ लेना भूल जाते हैं तो जितना ज़ल्दी हो सके उसे ले लें। परंतु कभी भी दो डोज़ एक साथ में, या एक के थोड़ी देर बाद दुसरा न लें। यदि कोई डोज़ भूल से रह गया हो तो अपने टीबी डॉक्टर से, PHN या HOW को उस के बारे में बता दें।

यदि आप एक से ज़्यादा डोज़ भूल गये हैं तो सलाह के लिये अपने डॉक्टर से फोन करें तथा अपने PHN या HOW को बतायें। वे आप को अपनी दवा याद रख़ कर लेने के रास्ते बतायेंगे।

**क्या टीबी की दवा सहगामी दुष्प्रभाव का कारण बन सकती है?**

दवा कभी कभी अनचाहा सहगामी दुष्प्रभाव पैदा कर सकती है। ज़्यादातर परिस्थितिओं में वे गंभीर नहीं होते, परंतु कुछ सहगामी दुष्प्रभाव में डॉक्टरी देखभाल की ज़रुरत पड़ती है। यदि आप को किसी भी सहगामी दुष्प्रभाव का अनुभव होता हो तो अपने डॉक्टर, PHN या HOW को बतायें। इन के उपर ध्यान दें:

- खुजलन, चमडी पर लाल दाने या चकत्ते, साँस लेने में दिक़्क़त, चेहरे या गले पर सूजन, मुँह के आसपास सुन्नता या झुनझुनी का अनुभव
- हाथपैरों की उंगलीयों में सुन्नता या झुनझुनी
- तीन दिन से ज़्यादा चलने वाला बुखार
- फ़्लू जैसे लक्षण (बुख़ार, ठंड लगना, चक्कर आना, कमज़ोरी)
- हाल ही में हुइ खाँसी
- स्पर्श का पता न चलना या मांसपेशीओं पर अपना नियंत्रण न रहना
- दर्द, जोड़ों में दर्द या सूजन
- भोजन में अरुचि
- थकान, कमज़ोरी
- पेट में गड़बड, मतली, उलटी
- पेट में मरोड़ या दर्द
- अतिसार (पतली दस्त)
- आँखों में या चमडी में पीलापन (पीलिया); बहुत ही गाढ़े रंग का पेशाब
- नीले-भूरे निशान या कटने से हुए घाव में से खून का आसानी से रिसना
- दृष्टि में धुँधलापन, लाल और हरे रंगों में भेद नहीं कर पाना (रंगों का अंधापन), आँखों में दर्द या आँखों की अन्य बीमारीयां
- चक्कर आना, थकान

**सूचि में बताये गये सहगामी दुष्प्रभावों (साईड इफेक्ट्स) के अलावा दूसरे सहगामी दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं.**

महत्त्वपुर्ण: अगर आप किसी भी लक्षण का अनुभव करें या अगर आप को लगे कि आप को अपनी टीबी दवा के कुछ सहगामी दुष्परिणाम का अनुभव हो रहा है, तो अपने डॉक्टर, नर्स से संपर्क करें या सलाह के लिये टेलीहेल्थ में १-८६६-७९७-०००० (1-866-797-0000) पर फोन करें। यदि आप को शाम को, सप्ताह के अंत (वीकएन्ड) में या छुट्टीओं में दवाओं के गंभीर सहगामी दुष्परिणाम का अनुभव होता है तो अपने नज़दीकी इमरजेंसी डिपार्टमेन्ट में चले जायें।

# टीबी के उपचार एवं रोग से मुक्ति की दवायें..जारी

## आइसोनायज़ीड (आइसोटेमाइन)

आइसोनायज़ीड एक ऐसी एन्टीबायोटीक है जो टीबी के जीवाणुओं को मार डालती है। इस को:

- सक्रिय टीबी रोग के उपचार में टीबी की दूसरी दवाओं के साथ
- लेटन्ट टीबी इन्फेक्शन - अप्रकट टीबी संक्रमण (एलटीबीआई) के उपचार में

प्रयोग में लाया जाता है

**इस दवा को लेने के बारे में मुझे क्या जानना चाहिये?**

- इस दवा को खाली पेट एक पुरा गिलास भर के पानी के साथ लें (भोजन के एक घंटे पहले या भोजन के दो घंटे बाद)। अगर इस से आप को पेट में तकलीफ़ होती है तो थोडे से खाने के साथ इसे लें।
- यदि आप को पिल को निगलने में दिक़्क़त होती हो तो यह दवा प्रवाही स्वरुप में भी पाई जाती है।
- एन्टासीड लेने के कम से कम २ घंटों पहले यह दवा ले।
- हाथपैरों की उंगलीयों में सुन्नता या झुनझुनी को रोकने के लिये विटामिन बी ६ दी जा सकती है।
- आइसोनायज़ीड लेने के दौरान मिरगी की कुछ दवायें (जैसे कि डायलेन्टीन) इतनी अच्छी तरह से काम नहीं करती।
- रेड वाईन, लंबे अरसे तक रखी जाती कुछ चीज़ (जैसे कि स्वीस, चेशर) और मछलीयां (टयूना, स्कीपजॅक, सार्डिन) चमडी पर लालपन या खुजलन, गरमी का अनुभव, दिल की तेज़ या ऊंची आवाज़ वाली धडकन, पसीना, ठंडी या चिपचिपापन, सरदर्द या चक्कर आना जैसे लक्षण पैदा कर सकते हैं।
- पेट में हलकी सी गड़बड़ सामान्य है।

इन के उपर निगरानी रखें:

- मतली, उलटी, भोजन में अरुचि, पेट में दर्द
- थकान, कमज़ोरी
- तीन दिन से ज़्यादा चलने वाला बुख़ार
- हाथपैरों की उंगलीयों में सुन्नता या झुनझुनी
- खुजली, चमडी पर लाल दाने या चकत्ते
- गाढ़ा पेशाब, आँखों में या चमडी में पीलापन (पीलिया)
- कुछ लोगों में सूचित सहागामी दुष्परिणामों के अलावा और दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। अगर आप के ध्यान में और कोई भी दूसरे लक्षण या दुष्परिणाम आयें तो सलाह के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

## रिफ़ेम्पीन (रोफेक्ट, रिफेडीन)

रिफ़ेम्पीन एक ऐसी एन्टीबायोटीक है जो टीबी के जीवाणुओं को मार डालती है। इस को:

- सक्रिय टीबी रोग के उपचार में टीबी की दूसरी दवाओं के साथ
- लेटन्ट टीबी इन्फेक्शन - अप्रकट टीबी संक्रमण (एलटीबीआई) के उपचार में

प्रयोग में लाया जाता है

**इस दवा को लेने के बारे में मुझे क्या जानना चाहिये?**

- इस दवा को खाली पेट एक पुरा गिलास भर के पानी के साथ लें (भोजन के एक घंटे पहले या भोजन के दो घंटे बाद)। अगर इस से आप को पेट में तकलीफ़ होती है तो थोडे से खाने के साथ इसे लें।
- अगर हो सके तो पुरी केपस्यूल को निगल जायें। यदि केपस्यूल को निगलने में दिक़्क़त होती हो तो उसे खोल कर अन्दर की दवा को थोड़े से खाने, जैसे कि एपलसोस, पुडिंग या दही के साथ लें।

# टीबी के उपचार एवं रोग से मुक्ति की दवायें..जारी

- यदि आप को केपस्यूल को निगलने में दिक़्क़त होती हो तो यह दवा प्रवाही स्वरुप में भी पाई जाती है।
- रिफ़ेम्पीन लेते समय गर्भ-निरोधक गोलीयां ठीक से काम नहीं देती. गर्भावस्था टालने के लिये गर्भ-निरोध के दूसरे रास्ते अपनाइये।
- इस से शरीर के प्रवाही (पेशाब, पसीना, आँसू, लार और मल) गाढ़े पीले या लाल-नारंगी रंग के हो जा सकते हैं। यह हानिकारक नहीं है और आप की चिकित्सा पुरी होते अपने आप चले जायेंगे। परन्तु कपड़ों व सोफ्ट कोन्टेक्ट लेन्स पर पडे हुए दाग़ हमेशा के लिये रह जा सकते हैं।
- पेट में हलकी सी गड़बड़ सामान्य है।

इन के उपर निगरानी रखें:

- मतली, उलटी, भोजन में अरुचि, पेट में दर्द
- थकान, कमज़ोरी
- तीन दिन से ज़्यादा चलने वाला बुख़ार
- फ़्लू जैसे लक्षण (बुख़ार, ठंड लगना, चक्कर आना, कमज़ोरी)
- खुजली, चमडी पर लाल दाने या चकत्ते
- गाढ़ा पेशाब, आँखों में या चमडी में पीलापन (पीलिया)
- हड्डीओं में या जोड़ों में दर्द
- मासिक धर्म में बदलाव
- कुछ लोगों में सूचित सहागामी दुष्परिणामों के अलावा और दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। अगर आप के ध्यान में और कोई भी दूसरे लक्षण या दुष्परिणाम आयें तो सलाह के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

## इथेम्ब्युटल ( इटीबी)

एथेम्ब्युटल एक ऐसी एन्टीबायोटीक है जो टीबी के जीवाणुओं को बढ़ने से रोकती है। इस को:

- सक्रिय टीबी रोग के उपचार में टीबी की दूसरी दवाओं के साथ उपयोग में लाया जाता है।

**इस दवा को लेने के बारे में मुझे क्या जानना चाहिये?**

- अगर हो सके तो पानी या ज्युस के साथ पुरी गोली को निगल जायें। यह उत्तम होगा यदि गोलीयों को पीसा या चबाया न जाय।
- इसे भोजन के साथ या बिना खाने के लिया जा सकता है।
- इस दवा को लेने के ४ घंटे के अन्दर अन्दर एन्टासीड न लें।
- यदि आप इस दवा को लंबे अरसे से ले रहे होंगे तो आप का डॉक्टर आप की आँखों के परिक्षण का इन्तज़ाम करेगा।
- यदि दृष्टि के संबंध में कोई भी बदलाव आये तो फ़ौरन अपने डॉक्टर को सूचित करें।

इन के उपर निगरानी रखें:

- दृष्टि में धुँधलापन, लाल और हरे रंगों में भेद नहीं कर पाना (रंगों का अंधापन), आँखों में दर्द या आँखों की अन्य बीमारीयां
- अचानक किंकर्तव्यविमूढ़ता
- चक्कर आना, थकान
- बुख़ार
- मतली, उलटी, भोजन में अरुचि, पेट में दर्द
- खुजली, चमडी पर लाल दाने या चकत्ते
- जोड़ों में दर्द या सूजन
- कुछ लोगों में सूचित सहगामी दुष्परिणामों के अलावा और दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। अगर आप के ध्यान में और कोई भी दूसरे लक्षण या दुष्परिणाम आयें तो सलाह के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

# टीबी के उपचार एवं रोग से मुक्ति की दवायें..जारी

## पायराज़ीनामाईड (टेब्राज़ीड)

पायराज़ीनामाईड एक ऐसी एन्टीबायोटीक है जो टीबी के जीवाणुओं को मार डालती है। इस को:

- सक्रिय टीबी रोग के उपचार में टीबी की दूसरी दवाओं के साथ उपयोग में लाया जाता है

**इस दवा को लेने के बारे में मुझे क्या जानना चाहिये?**

- अगर हो सके तो पानी या ज्युस के साथ पुरी गोली को निगल जायें। यह उत्तम होगा यदि गोलीयों को पीसा या चबाया न जाय।
- इसे भोजन के साथ या बिना खाने के लिया जा सकता है।
- इस से चमडी सूर्यप्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बन जा सकती है और उस के उपर दाने या चकत्ते हो सकते हैं। इस लिये धूप में जाना टालिये, शरीर को रक्षण के लिये कपड़ों से ढकिये तथा चमडी एवं होठों पर अच्छा सा सनस्क्रीन लोशन लगायें।
- इस से मधुमेह का नियंत्रण करने में तकलीफ़ हो सकती है।
- आप इस दवा को दो महिना या उस से ज़्यादा देर तक लेंगे।

**इन के उपर निगरानी रखें:**

- जोड़ों में सूजन, लालपन या दर्द - खास कर पैर का अंगूठा, टखना और घुटना
- मतली, उलटी, भोजन में अरुचि, पेट में दर्द
- गाढ़ा पेशाब, आँखों में या चमडी में पीलापन (पीलिया)
- सूर्यप्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशीलता में बढ़ाव - जिस से चमडी में फीकापन या उस के उपर गुलाबी या लाल-भूरे दाने या चकत्ते होते हैं
- कुछ लोगों में सूचित सहागामी दुष्परिणामों के अलावा और दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। अगर आप के ध्यान में और कोई भी दूसरे लक्षण या दुष्परिणाम आयें तो सलाह के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

## पायरीडोक्सिन (विटामिन B6)

पायरीडोक्सिन एक विटामिन B6 है जो कभी-कभी आइसोनायज़ीड से पैदा होती वीटामिन B6 की कमी (वीटामिन B6 का निम्न स्तर) को रोकने के लिये या उस की चिकित्सा के लिये उपयोग में लाया जाता है। वीटामिन B6 की कमी तंत्रिकाओं के छोरों में सूजन पैदा कर सकती है जिस की वजह से आप को हाथपैर की उँगलीओं में सुन्नता और झुनझुनी का अनुभव होता है।

**इस दवा को लेने के बारे में मुझे क्या जानना चाहिये?**

- यदि आप अपने स्वस्थ आहार में से पर्याप्त मात्रा में यह विटामिन पा सकते हैं तो आप को इसे लेने की आवश्यकता नहीं है।
- वीटामिन B6 की जितनी मात्रा लिख दी गई हो उस से ज़्यादा मत लें।
- मल्टी- वीटामिन लेने से पहले अपने डॉक्टर से पुछ लें क्यों कि उस में पायरीडोक्सिन हो सकती है।
- अगर आप को हाथों या पैरों की उँगलीओं में सुन्नता या झुनझुनी का अनुभव होता ही रहता हो या बढ़ता जाता हो तो आप के डॉक्टर को सूचित करें।

इन के उपर निगरानी रखें:

- मतली, सरदर्द, उनींदापन
- बेढंगापन
- कुछ लोगों में सूचित सहागामी दुष्परिणामों के अलावा और दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। अगर आप के ध्यान में और कोई भी दूसरे लक्षण या दुष्परिणाम आयें तो सलाह के लिये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।